Topic 1 :– FABEXA 2024

चर्चा में क्यों :– हाल ही में भारत की सबसे बड़ी कपड़ा प्रदर्शनी का आयोजन गुजरात में प्रारंभ हुआ है।

FABEXA 2024 यह एक कपड़ा प्रदर्शनी है जिसका आयोजन गुजरात के गांधीनगर नगर में किया जा रहा है यह आयोजन 21 मई से 24 मई, 2024 तक किया जाएगा।

इस प्रदर्शनी का उद्देश्य है की दुनिया भर में कपड़ा उत्साही लोगों के बीच नवाचार, प्रेरणा और अवसर के केंद्र के रूप में भारत को पहचान दिलाना। यह कपड़ा प्रदर्शनी भारत में आयोजित होने वाली सबसे बड़ी कपड़ा प्रदर्शनी है।

कपड़ों और वस्त्रों में भारत के मैनचेस्टर के रूप में, यह प्रदर्शनी गुजरात के जीवंत कपड़ा परिदृश्य-अहमदाबाद में स्थित है, जो कपड़ा निर्माण में क्षेत्र की समृद्ध विरासत और विशेषज्ञता को उजागर करती है, जो इस आयोजन के लिए एकदम सही पृष्ठभूमि बनाती है।

FABEXA के बारे में विशेष तथ्य:–

1. यह प्रदर्शनी देश के कुशलतम कपड़ा निर्माताओं द्वारा निर्मित किए कपड़ों और वस्त्रों की एक विशाल श्रृंखला को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने का मौका प्रदान करती है ।

2. इस प्रदर्शनी में पारंपरिक हथकरघा बुनाई जो भारत में काफी प्राचीन तकनीक है से लेकर अत्याधुनिक तकनीकी प्रगति तक जिसमे बड़ी बड़ी तथा स्वतः चलने वाली मशीन सामिल है से निर्मित कपड़े को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा ।

Result Mitra

3. यह प्रदर्शनी केवल कपड़ों के प्रदर्शन के उत्सव तक सीमित न रह कर उससे भी कहीं अधिक है - जैसे इसमें शिल्प कौशल, रचनात्मकता और सहयोग का उत्सव को भी प्रदर्शित करेगी ।

उपस्थित लोग जिन्हें इस क्षेत्र में अधिक दिलचस्पी है बह लोग इस क्षेत्र के उद्योग विशेषज्ञों के साथ ही इस क्षेत्र के उत्साही लोगों के साथ मिलजुल कर कार्यशालाओं, सेमिनारों और नेटवर्किंग कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे तथा उसका लाभ उठा सकेंगे ।

अहमदाबाद शहर :– गुजरात में अहमदाबाद शहर कपड़ा उद्योग के लिए काफी लोकप्रिय रहा है। मध्यकाल से ही यह शहर अपने कपड़े के लिए काफी व्याख्या था और बड़े पैमाने पर यहां से कपड़े का निर्यात देश के तथा अन्य एशियाई क्षेत्र में किया जाता था।

अहमदाबाद में ही सूती कपड़ा की पहली मिल की स्थापना 1861 में की गई । इस कपड़ा मिल की स्थापना अहमदाबाद के एक कपड़ा उद्यमी राव बहादुर रणछोड़लाल छोटेलाल ने की ।

आने वाले समय में इसी प्रकार की कई अन्य कपड़ा मिल की स्थापना अहमदाबाद शहर में की गई जिससे यह शहर देश के विभिन्न हिस्सों में सूती वस्त्रों की आपूर्ति किया करता ।

कपड़ा उद्योग में अहमदाबाद के योगदान को देखते हुए
दो प्रमुख भारतीय उद्योगपतियों, कस्तूरभाई लालभाई और अंबालाल साराभाई ने इस शहर को 'भारत का मैनचेस्टर' कहकर पुकारा।

Result Mitra

Topic 2:– भारत के कोच्चि में 46वीं अंटार्कटिक संसद की बैठक (एटीसीएम)।

कोच्चि बैठक के दौरान भारत आधिकारिक तौर पर सदस्यों के समक्ष मैत्री II के निर्माण की अपनी योजना भी पेश करेगा। अंटार्कटिका में किसी भी नए निर्माण या पहल के लिए एटीसीएम की मंजूरी की आवश्यकता होती है।

भारत के केरल राज्य के कोच्चि में 20 से 30 मई तक अंटार्कटिक संधि परामर्श बैठक (एटीसीएम 46) का आयोजन किया जा रहा है

यह अंटार्कटिक संधि परामर्श की 46वीं बैठक है जिसका आयोजन भारत द्वारा किया जा रहा है। अंटार्कटिक संधि को अंटार्कटिक संसद के नाम से भी जाना जाता है। भारत पहले भी इस बैठक का आयोजन कर चुका है भारत ने अंटार्कटिक संसद की आखिरी बैठक का आयोजन 2007 में नई दिल्ली में किया था।

किसके द्वारा आयोजित की जा रही है यह बैठक :–

यह बैठक मुख्यत पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) व राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र, गोवा के द्वारा आयोजित की जा रही है इस बैठक में कुल 56 सदस्य देश भाग लेंगे।

अंटार्कटिक संधि :– अंटार्कटिक संधि के मूल हस्ताक्षरकर्ता 12 देश थे । इन 12 देशों ने 1 दिसंबर, 1959 को वाशिंगटन में अंटार्कटिक संधि पर हस्ताक्षर किये।

जिसका उद्देश्य:– इस महाद्वीप को असैन्यीकृत क्षेत्र बनाना और इसका उपयोग केवल वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये करना था

मूल हस्ताक्षरकर्ता 12 देश : - जापान, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, चिली, फ्रांस, यूएसएसआर, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका -

1961 में यह संधि लागू हुई, तथा लागू होने के बाद कई कई अन्य राष्ट्रों ने इसे स्वीकार किया।

भारत इस संधि का सदस्य वर्ष 1983 में बना। इस संधि में वर्तमान में 56 देश सदस्य है। इसका मुख्यालय अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में है।

अंटार्कटिका :– इस महाद्वीप को 60° दक्षिणी अक्षांश के में स्थित बर्फ से ढके भू भाग के रूप में परिभाषित किया गया जाता है।

संधि में सामिल महत्त्वपूर्ण प्रावधान :–

1.इस महाद्वीप पर किसी भी देश या संस्था को किसी भी प्रकार के सैन्यीकरण या किलेबंदी की अनुमति नहीं होगी।

2.इस महाद्वीप का उपयोग मात्र शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए और जनकल्याण की भावना से किया जाएगा।

3. इस महाद्वीप पर किसी भी प्रकार के परमाणु परीक्षण या रेडियोधर्मी अपशिष्ट पदार्थों का निपटान करने की अनुमति नहीं होगी।

4. इस महाद्वीप पर सभी सदस्य राष्ट्र को समान अधिकार प्राप्त होंगे ।

5. सदस्य राष्ट्र इस महाद्वीप पर वैज्ञानिक जांच करने के लिए स्वतंत्रता होंगे ।

6. सभी राष्ट्र जन भावना से कार्य करेंगे जिसके तहत वैज्ञानिक कार्यक्रमों के लिए योजनाएं को साझा करना आपस में आवश्यक सहयोग प्रदान करना तथा एकत्र किए डेटा को स्वतंत्र रूप से साझा करना सामिल है।

अंटार्कटिका और भारत :–

- भारत 1983 में अंटार्कटिक संधि का सदस्य बना।
- सदस्य होने के नाते भारत सभी महत्वपूर्ण निर्णय पर मतदान करता है और भाग भी लेता है
- अंटार्कटिक संधि के 56 सदस्य देशों में 29 को सलाहकार दल का दर्जा प्राप्त है भारत भी इनमे एक है।
- भारत ने अंटार्कटिका में अपने मिशन की देखभाल और रखरखाव के लिए 25 मई 1998 नेशनल सेंटर फॉर अंटार्कटिक एंड ओशन रिसर्च (National Centre for Antarctic and Ocean Research- NCPOR) की स्थापना की । जिसके संस्थापक निदेशक डॉ. प्रेम चंद पांडे थे।

NCPOR के मुख्य कार्य :– दक्षिणी महासागरीय वैज्ञानिक अनुसंधान करना, ध्रुवीय वैज्ञानिक अनुसंधान करना साथ ही इन क्षेत्रों में रसद गतिविधियों की योजना, समन्वय
और निष्पादन के लिये कार्य करना है।

Result Mitra

भारत के अंटार्कटिका पर मिशन :-

दक्षिण गंगोत्री:

- यह अंटार्कटिका पर स्थापित किया जाने वाला भारत का पहला मिशन था इस मिशन को दक्षिणी गंगोत्री के नाम से जाना जाता है
- यह स्टेशन को वर्ष 1983 में क्वीन मौड लैंड में दक्षिणी ध्रुव से लगभग 2,500 किमी दूर स्थापित किया गया।
- इस स्टेशन ने वर्ष 1990 तक कार्य किया । बाद में इसको प्रयोग आपूर्ति आधार के लिए किया जाने लगा।

मैत्री:

- यह अंटार्कटिका पर भारत का दूसरा स्थायी अनुसंधान केंद्र था ।
- इसे वर्ष 1989 में स्थापित किया गया था।
- मैत्री, शिरमाकर ओएसिस नामक चट्टानी पहाड़ी क्षेत्र पर स्थित है।
- भारत ने इस स्टेशन को पानी की आपूर्ति के लिए पास मीठे ही एक पानी की झील का निर्माण किया।
- इस झील को प्रियदर्शिनी झील नाम दिया गया।
- मैत्री वर्तमान में भी कार्यरत है
- यह रूस के नोवोलज़ारेव्स्काया स्टेशन से लगभग 5 किमी तथा दक्षिणी गंगोत्री से 90 किमी दूर है।
- नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च की जानकारी के अनुसार मैत्री स्टेशन पर गर्मियों में 65 लोग जबकि सर्दियों में 25 लोग रह सकते हैं।

भारती:

- यह अंटार्कटिका पर भारत का तीसरा मिशन है
- इसको वर्ष 2012 में स्थापित किया गया।
- यह भारत का नवीनतम अनुसंधान केंद्र है ।

Result Mitra

इस स्टेशन के निर्माण का उद्देश्य :- कठोर मौसम होने पर भी सुरक्षित होकर काम करने में मदद के लिये ।

यह मैत्री से लगभग 3000 किमी पूर्व में स्थित है।

मैत्री II :–

मैत्री II को 2029 तक शुरू करने की योजना है।

Result Mitra

Topic 3 :– श्रीलंका के विदेश मंत्री का भारत को आश्वासन कि वह अपने देश की भूमि का प्रयोग भारत के विरुद्ध नहीं होने देगा

चर्चा में क्यों:–

हाल ही में चीन के कुछ जहाज श्रीलंका के क्षेत्र में देखे गए थे जिस कारण श्रीलंका के विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया है कि वह अपनी देश की भूमि को भारत के हितों के विरुद्ध प्रयोग नहीं होने देगा।

श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने जिम्मेदार पड़ोसी के रूप में श्रीलंका को बताते हुए कहा की बह किसी भी देश को अपने देश की भूमि का प्रयोग नहीं करने देगा जिससे भारत की सुरक्षा से समझौता हो।

यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन के कुछ अनुसंधान जहाजों की उपस्थिति श्रीलंका के तटों पर देखी गई है ।

भारत की इन आशंकाओं पर उन्होंने कहा: "हमने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि हम सभी देशों के साथ काम करना चाहेंगे, लेकिन भारतीय सुरक्षा के संबंध में किसी भी उचित चिंता पर ध्यान दिया जाएगा, और हम किसी को भी इसे नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं देंगे, बेशक, बहुत पारदर्शी तरीके से, हम सभी देशों के साथ काम करना चाहेंगे।"

भारत में होने वाले लोकसभा चुनाव पर श्रीलंका के विदेश मंत्री का पक्ष :-

भारत में होने वाले लोकसभा चुनाव के संदर्भ में उन्होंने कहा की यह लोकतंत्र का उत्सव है और भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है । भारतीय के लोग शिक्षित और समझदार है। उन्हे पता होगा कि उनके लिए क्या अच्छा है और क्या बुरा ।

श्रीलंका के विदेश मंत्री ने आगे कहा कि किसी भी राष्ट्र में होने वाले चुनाव यह उसे देश का आंतरिक मामला होता है और जनता अच्छी तरह जानती है कि कौन उनके लिए अधिक लाभदायक सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा भारत में जो भी सरकार चुनकर आएगी हम उसके साथ इस प्रकार से और उन्हीं नीतियों पर कार्य करेंगे जिन पर वर्तमान में कर रहे हैं।

भारत की उभरती हुई अर्थव्यवस्था का भी संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा की वर्तमान में भारत एक तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था के तौर पर स्थापित हो रहा है और श्रीलंका भी भारत के इस बढ़त से लाभ अर्जित करना चाहता है।

Result Mitra

प्रश्न.- कभी-कभी समाचारों में देखा जाने वाला एलीफेंट पास का उल्लेख निम्नलिखित में से किस मामले के संदर्भ में किया जाता है? (2009)

(a) बांग्लादेश|
(b) भारत
(c) नेपाल
(d) श्रीलंका

उत्तर: (d)

Topic 4 :– सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा अफ्रीका को मलेरिया वैक्सीन की पहली खेप भेजी गई ।

चर्चा में क्यों:– अफ्रीका में बढ़ते मलेरिया के मामलों से निपटने के लिए सीरम इंस्टीट्यूट के द्वारा मलेरिया वैक्सीन की पहली खेती अफ्रीका के लिए भेज दिया गया है।

किसने द्वारा भेजा गया :– महाराष्ट्र के पुणे में स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के द्वारा । सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया एक वैक्सीन मैन्युफैक्चरर कंपनी है

इस वैक्सीन का नाम 'R21/ Matrix-M' यज्ञ मलेरिया वैक्सीन है । इस वैक्सीन को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और नोवावैक्स के मैट्रिक्स-एम एडजुवेंट ने मिलकर तैयार किया है ।

यह मलेरिया-स्थानिक क्षेत्रों में बच्चों के लिए उपयोग किया जाने वाले दूसरा मलेरिया टीका है।

मलेरिया के बारे में :–

Result Mitra

- मलेरिया के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रति वर्ष 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है।
- विश्व मलेरिया दिवस की स्थापना विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization- WHO) द्वारा वर्ष 2007 में की गई जिसका उद्देश्य मलेरिया के बारे में जागरूकता पैदा करना था ।
- विश्व मलेरिया दिवस 2024 की थीम ""स्वास्थ्य समानता, लिंग और मानवाधिकार" है।
- मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है। जो प्लाज़्मोडियम परजीवी के कारण होती है
- इस परजीवी का फैलाव मनुष्यों में मादा एनोफिलीज़ मच्छर के काटने से होता है।
- जबकि मलेरिया में सबसे अधिक मौतें प्लाज़्मोडियम फाल्सीपेरम के कारण होती हैं,

मलेरिया बीमारी मुख्यः :– विषुवत रेखा क्षेत्र के आसपास उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में जैसे की दक्षिण-पूर्व एशिया, उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में पाई जाती है।

जब मलेरिया का वायरस एक बार शरीर में प्रवेश कर जाता है तो यह यकृत में जाकर गुणात्मक वृद्धि के साथ बढ़ता है अधिक संख्या हो जाने कारण है मनुष्य की लाल रक्त कोशिकाओं को संक्रमित करता है जिस कारण ठंड लगना,मांसपेशियों में दर्द, थकान, बुखार , सर दर्द जैसी समस्या उत्पन्न होने लगती है

मलेरिया से गंभीर रोग भी होते हैं जैसे की :– कोमा, अंग विफलता और मृत्यु।

प्रश्न.- क्लोरोक्वीन जैसी दवाओं के प्रति मलेरिया परजीवी के व्यापक प्रतिरोध ने मलेरिया से निपटने हेतु टीका विकसित करने के प्रयासों को प्रोत्साहित किया है। प्रभावी मलेरिया टीका विकसित करने में क्या कठिनाइयाँ हैं? (2010)

(a) मलेरिया प्लाज़्मोडियम की कई प्रजातियों के कारण होता है।
(b) प्राकृतिक संक्रमण के दौरान मनुष्य में मलेरिया के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं होती है।
(c) टीका केवल बैक्टीरिया के विरुद्ध ही विकसित किया जा सकता है।
(d) मनुष्य केवल एक मध्यवर्ती मेज़बान होता है, न कि निश्चित मेज़बान।

उत्तर: b

ResultMitra